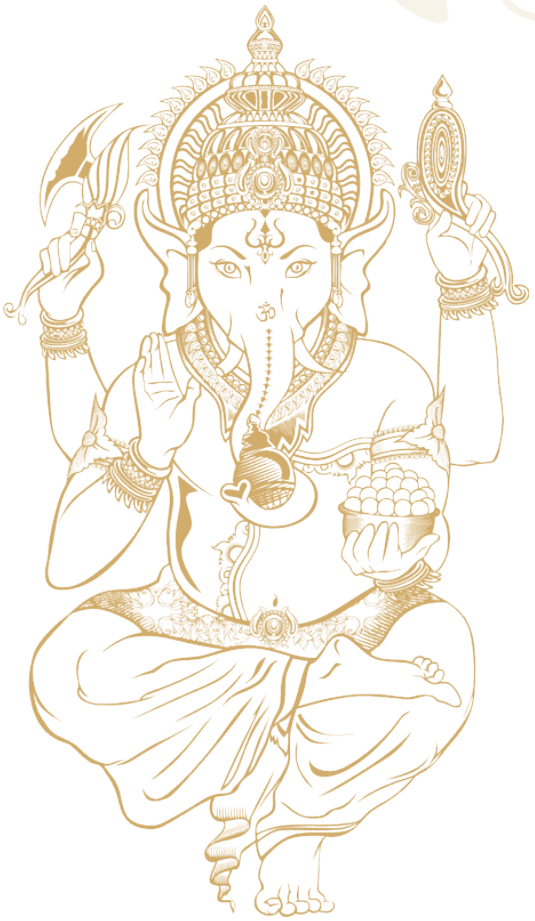

Mr.Anuj

19 Feb 1987

03:37 AM

Hapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120782803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/02/1987**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:37:00 घंटे**
इष्ट	51:43:30 घटी
स्थान	**Hapur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:43:00 उत्तर
रेखांश	77:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:18:08 घंटे
वेलान्तर	-00:14:02 घंटे
साम्पातिक काल	13:11:28 घंटे
सूर्योदय	06:55:36 घंटे
सूर्यास्त	18:10:28 घंटे
दिनमान	11:14:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	06:02:29 कुम्भ
लग्न के अंश	10:08:27 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:08:27	337:44:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	06:02:29	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	05:14:34	13:15:07	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			मेष	05:09:20	00:41:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मूलत्रिकोण
बुध	व		कुंभ	20:49:12	00:02:35	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मीन	03:33:46	00:13:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			धनु	21:55:50	01:08:54	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			वृश्चि	26:09:48	00:03:49	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	18:30:09	00:01:21	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु			कन्या	18:30:09	00:01:21	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	02:19:04	00:02:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	13:38:52	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:16:59	00:00:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	25:40:55	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:35

लग्न-चलित

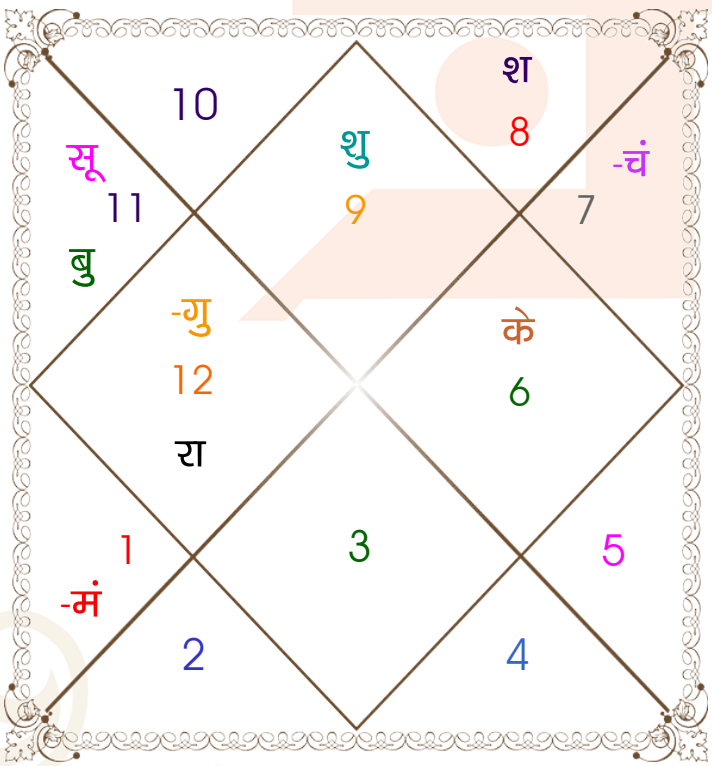

चन्द्र कुंडली

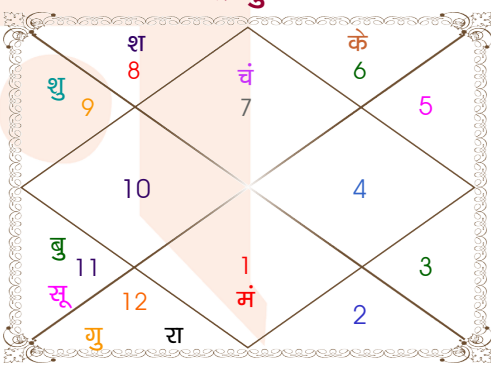

नवमांश कुंडली

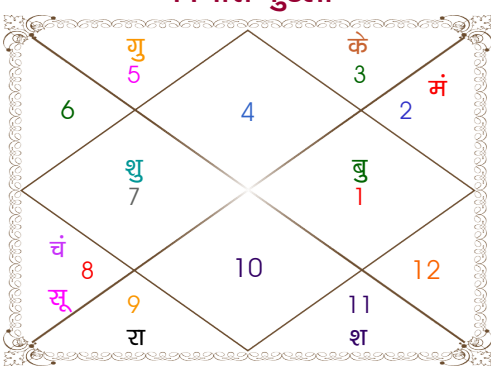

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 8 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/02/1987		19/11/1987		18/11/2005		18/11/2021		18/11/2040	
19/11/1987		18/11/2005		18/11/2021		18/11/2040		18/11/2057	
	00/00/0000	राहु	01/08/1990	गुरु	06/01/2008	शनि	21/11/2024	बुध	17/04/2043
	00/00/0000	गुरु	24/12/1992	शनि	20/07/2010	बुध	01/08/2027	केतु	13/04/2044
	00/00/0000	शनि	31/10/1995	बुध	25/10/2012	केतु	09/09/2028	शुक्र	12/02/2047
	00/00/0000	बुध	20/05/1998	केतु	30/09/2013	शुक्र	10/11/2031	सूर्य	19/12/2047
	00/00/0000	केतु	07/06/1999	शुक्र	31/05/2016	सूर्य	22/10/2032	चंद्र	20/05/2049
	00/00/0000	शुक्र	07/06/2002	सूर्य	20/03/2017	चंद्र	23/05/2034	मंगल	17/05/2050
	19/02/1987	सूर्य	02/05/2003	चंद्र	20/07/2018	मंगल	02/07/2035	राहु	03/12/2052
सूर्य	20/04/1987	चंद्र	31/10/2004	मंगल	26/06/2019	राहु	08/05/2038	गुरु	11/03/2055
चंद्र	19/11/1987	मंगल	18/11/2005	राहु	18/11/2021	गुरु	18/11/2040	शनि	18/11/2057

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/11/2057		18/11/2064		18/11/2084		18/11/2090		19/11/2100	
18/11/2064		18/11/2084		18/11/2090		19/11/2100		00/00/0000	
केतु	16/04/2058	शुक्र	19/03/2068	सूर्य	08/03/2085	चंद्र	19/09/2091	मंगल	17/04/2101
शुक्र	16/06/2059	सूर्य	20/03/2069	चंद्र	06/09/2085	मंगल	19/04/2092	राहु	06/05/2102
सूर्य	22/10/2059	चंद्र	18/11/2070	मंगल	12/01/2086	राहु	19/10/2093	गुरु	11/04/2103
चंद्र	22/05/2060	मंगल	19/01/2072	राहु	07/12/2086	गुरु	18/02/2095	शनि	20/05/2104
मंगल	18/10/2060	राहु	18/01/2075	गुरु	25/09/2087	शनि	18/09/2096	बुध	18/05/2105
राहु	06/11/2061	गुरु	18/09/2077	शनि	06/09/2088	बुध	17/02/2098	केतु	14/10/2105
गुरु	13/10/2062	शनि	18/11/2080	बुध	13/07/2089	केतु	19/09/2098	शुक्र	14/12/2106
शनि	22/11/2063	बुध	19/09/2083	केतु	18/11/2089	शुक्र	20/05/2100	सूर्य	20/02/2107
बुध	18/11/2064	केतु	18/11/2084	शुक्र	18/11/2090	सूर्य	19/11/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।